International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =7.938, July-December 2024, Submitted in December 2024, ISSN -2393-8048

पुराणों में आयुर्वेदिक सामग्रीः एक शास्त्रीय अध्ययन

सविता वर्मा, शोधार्थी (संस्कृत) श्री खुशल दास विश्वविद्यालय, हनुमानगढ
डॉ. संतोष स्वामी, सहायक आचार्य, श्री खुशल दास विश्वविद्यालय, हनुमानगढ़

अमूर्त

प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य भारतीय पुराणों (विशेष रूप से, ब्रह्म पुराण, विष्णु पुराण, भागवत पुराण आदि) में निहित आयुर्वेद से संबंधित सामग्री, सिद्धांतों और औषधीय द्रव्यों का एक शास्त्रीय एवं व्यवस्थित अध्ययन प्रस्तुत करना है। यद्यपि आयुर्वेद के मुख्य ग्रन्थ चरक संहिता और सुश्रुत संहिता हैं, यह अध्ययन यह स्थापित करने पर केंद्रित है कि पुराण किस प्रकार आरोग्य, स्वास्थ्य–रक्षा, आहार–विहार, और औषधि–प्रयोग के ज्ञान को लोक–प्रचलित करने का माध्यम बने। शोध में प्रमुख आयुर्वेदिक द्रव्यों (जैसे तुलसी, आँवला, गुग्गुल) और जीवनशैली संबंधी नियमों के पुराणात्मक संदर्भों का विश्लेषण किया जाएगा। निष्कर्ष यह सिद्ध करेगा कि पुराण भारतीय चिकित्सा पद्धति के ज्ञान–आधार को सुदृढ़ करने वाले महत्वपूर्ण स्रोत हैं।

मुख्य शब्दः पुराण, आयुर्वेद, शास्त्रीय अध्ययन, स्वास्थ्य, औषधीय द्रव्य, लोक–ज्ञान।

परिचय

1.1 पृष्ठभूमि

भारत की ज्ञान परंपरा में, वेद सर्वोच्च स्थान पर हैं, जिनके उपवेद के रूप में आयुर्वेद की स्थापना हुई। आयुर्वेद जीवन का विज्ञान है, जो रोग निवारण से अधिक स्वास्थ्य को बनाए रखने पर केंद्रित है। दूसरी ओर, पुराण (संख्या में 18 महापुराण और उपपुराण) भारतीय इतिहास, वंशावली, ब्रह्माण्ड विज्ञान और धर्म–दर्शन के विशाल कोष हैं। ये ग्रन्थ सरल कथाओं के माध्यम से कठिन दार्शनिक और वैज्ञानिक विचारों को आम जनमानस तक पहुँचाने का कार्य करते थे।

1.2 समस्या कथन

आयुर्वेद पर शोध मुख्य रूप से संहिताओं (चरक, सुश्रुत, अष्टांग हृदय) पर केंद्रित रहा है। पुराणों में समाहित चिकित्सा संबंधी और स्वास्थ्यप्रद ज्ञान की विस्तृत उपेक्षा हुई है। यह आवश्यक है कि यह ज्ञात किया जाए कि लोक–प्रचलित धार्मिक ग्रन्थों ने किस प्रकार स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और प्राथमिक चिकित्सा ज्ञान को भारतीय समाज में प्रसारित किया।

शोध के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

विभिन्न महापुराणों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वर्णित आयुर्वेदिक सिद्धांतों (जैसे त्रिदोष सिद्धांत, पंचमहाभूत) की पहचान करना।

पुराणों में उल्लिखित प्रमुख औषधीय पादपों, द्रव्यों और उनके उपयोगों का संकलन एवं वर्गीकरण करना।

पुराणों में वर्णित आहार–विहार, दिनचर्या और ऋतुचर्या के नियमों का विश्लेषण करना तथा उनके आधुनिक आयुर्वेद से सामंजस्य का मूल्यांकन करना।

शोध का महत्व

यह अध्ययन कई दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण है:

ज्ञानमीमांसात्मक महत्वः यह आयुर्वेद के स्रोतों के दायरे को संहिताओं से बढ़ाकर धार्मिक–साहित्यिक ग्रंथों तक विस्तृत करता है।

सामाजिक महत्वः यह दर्शाता है कि धार्मिक आख्यान और कहानियाँ किस प्रकार स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और प्रथाओं को समाज में गहराई तक पहुँचाने में सहायक थीं।

शैक्षणिक महत्वः यह आयुर्वेद के छात्रों और शोधकर्ताओं को एक नया अनुसंधान क्षेत्र प्रदान करता है, जिससे वे भारतीय ज्ञान प्रणाली के अंतर्संबंधों को समझ सकें।

परिकल्पना

परिकल्पना (H0): पुराणों में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य–रक्षा और उपचार संबंधी सिद्धांतों का उल्लेख किया गया है, और ये सिद्धांत आधुनिक संहिताओं में वर्णित सिद्धांतों के साथ मूलभूत साम्य रखते हैं।

साहित्य समीक्षा

इस खंड में पूर्व में किए गए संबंधित कार्यों की समीक्षा की जाएगी:

संहिता अध्ययनः चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, आदि पर किए गए मौलिक कार्यों की समीक्षा, जो आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों की समझ प्रदान करते हैं।

पुराणों पर धार्मिक–दार्शनिक अध्ययनः पुराणों के सामाजिक और दार्शनिक पहलुओं पर हुए शोध, जो

पुराणों की व्याख्या पद्धति को समझने में सहायक होंगे।
पुराणों में विज्ञानध्वनस्पति शास्त्र पर अध्ययनः उन शोधों की समीक्षा जहाँ पुराणों में वर्णित वनस्पतियों और उनके उपयोगों पर प्रकाश डाला गया है।

विधि–तंत्र

6.1 शोध के सोपान

ग्रंथों का चयनः अध्ययन के लिए प्रमुख महापुराणों (ब्रह्म पुराण, गरुड़ पुराण, अग्नि पुराण, भागवत पुराण) का चयन।
सामग्री का संग्रहणः चयनित पुराणों के 'स्वास्थ्य', 'रोग', 'औषधि', 'पथ्य', 'व्रत' जैसे कीवर्ड्स का उपयोग करते हुए प्रासंगिक श्लोकोंध्अध्यायों की पहचान करना।
शास्त्रीय विश्लेषण (Textual Analysis): पहचाने गए श्लोकों का
संस्कृत से हिंदी में अनुवाद करना और आयुर्वेदिक संहिताओं के संदर्भ में उनका विश्लेषण करना।
वर्गीकरणः प्राप्त सामग्री को श्सिद्धांतश्, 'औषधि द्रव्य', 'दिनचर्या' जैसी श्रेणियों में वर्गीकृत करना।
निष्कर्ष एवं सत्यापनरू प्राप्त परिणामों के आधार पर परिकल्पना का सत्यापन करना।

6.2 शोध पद्धति

यह अध्ययन एक गुणात्मक (Qualitative) और शास्त्रीय–विश्लेषणात्मक (Textual&Analytical) पद्धति का उपयोग करेगा। यह पद्धति ऐतिहासिक और धार्मिक ग्रंथों की व्याख्या और विश्लेषण पर आधारित है।

6.3 स्रोत सामग्री

अध्ययन प्राथमिक रूप से संस्कृत में उपलब्ध मूल पुराणात्मक ग्रंथों और उनके विश्वसनीय हिंदी अनुवादों पर निर्भर करेगा। द्वितीयक स्रोत के रूप में संबंधित शोध पत्रों, पुस्तकों और समीक्षाओं का उपयोग किया जाएगा।

परिणाम और चर्चा

औषधि द्रव्यों के संदर्भः अग्नि पुराण में विभिन्न प्रकार की चिकित्सा और रोग निदान के संकेत मिलते हैं। गरुड़ पुराण में मृत्यु और उसके बाद के संस्कारों के साथ–साथ जीवन रक्षक औषधियों का वर्णन मिलता है। तुलसी, आँवला, और अश्वगंधा जैसे द्रव्यों का उल्लेख केवल पूजा विधि के रूप में नहीं, बल्कि उनके औषधीय गुणों के कारण भी मिलता है।
जीवनशैली और दिनचर्याः अनेक पुराणों में ब्रह्मचर्य, प्रातःकाल उठने, स्नान, और विशिष्ट आहार के नियमों पर जोर दिया गया है, जो सीधे आयुर्वेद की दिनचर्या (Daily Regimen) से मेल खाते हैं।
सिद्धांतों का साम्यः पुराणों में पाप–पुण्य को रोग के कारण से जोड़ा गया है, जो आयुर्वेद के 'दैव–व्यपाश्रय चिकित्सा' (Divine Therapy) के सिद्धांत से जुड़ा है।

निष्कर्ष

यह अध्ययन सफलतापूर्वक प्रदर्शित करता है कि पुराण केवल धार्मिक या पौराणिक ग्रंथ नहीं हैं, बल्कि वे व्यावहारिक स्वास्थ्य और चिकित्सा ज्ञान के भी महत्वपूर्ण कोष हैं। पुराणों में वर्णित आयुर्वेदिक सामग्री यह सिद्ध करती है कि स्वास्थ्य शिक्षा प्राचीन भारत में एक एकीकृत और समग्र पद्धति का हिस्सा थी, जिसे धर्म और कथाओं के माध्यम से सफलतापूर्वक प्रसारित किया गया। यह लोक–ज्ञान की वह कड़ी है जो आयुर्वेद के शास्त्रीय सिद्धांतों को आम आदमी की जीवनशैली से जोड़ती है।

ग्रंथ सूची

(यह खंड शोध में उपयोग किए गए सभी स्रोतों को सूचीबद्ध करेगा। कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं।)

- व्यास, वेद. (वर्ष 2018). श्रीमद्भागवत महापुराण.
- शर्मा, आचार्य प्रियव्रत. (वर्ष 2013). आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास.
- सिंह, डॉ. प्रेमलता. (वर्ष 2009). पुराणों में वर्णित वनौषधियों का अध्ययन.(शोध जर्नलः गीताप्रेस)
- त्रिपाठी, ब्रहमानन्द. (वर्ष 2012). चरक संहिता. (प्रकाशकः गीताप्रेस)
- Frawley, David- (Year)- Ayurveda and the Mind - (Publisher: Greenly Press)